हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम एवं अध्यायवार अंको का विभाजन(2025-26)

कक्षा- 10+2 **विषय: ललित कला** **कोड:770**

सामान्य निर्देश:

1. सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 30 अंकों की होगी, प्रायोगिक परीक्षा 50 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक परीक्षा के लिए :-
   i) पोर्टफोलियो – 20 अंक
   ii) कम्पोजीशन/पेंटिंग/पदार्थ चित्रण – 30 अंक
4. आंतरिक मुल्यांकन के लिए :
   निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा : -
   i) 4 अंकों के लिए – दो SAT परीक्षा आयोजित की जाएगी जिनका अतिम मूल्यांकन के लिए 06 अंकों का भारांक होगा।
   ii) 2 अंकों के लिए – एक अर्ध वार्षिक परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
   iii) 2 अंकों के लिए – एक प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।
   iv) 2 अंकों के लिए – विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) लिए मूल्यांकन करेंगें और अधिकतम 02 अंक देंगें।
   v) 5 अंकों के लिए – छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जाएगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।
   vi) 5 अंकों के लिए – विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जाएँगे : -

75% से 80% तक – 01 अंक
80% से अधिक से 85% तक – 02 अंक
85% से अधिक से 90% तक – 03 अंक
90% से अधिक से 95% तक – 04 अंक
95% से अधिक से 100% तक – 05 अंक

पाठ्यक्रम संरचना (2025-26)

कक्षा- 10+2 विषय:ललित कला कोड:770

इकाई संख्या	अध्याय/इकाई पांडुलिपि चित्रकला परंपरा	अंक
1	इकाई–1 राजस्थानी और मुगल शैली चित्रकला (16 वीं शताब्दी ई0 से 19वीं शताब्दी ई0) 1. राजस्थानी शैली चित्रकला 2. मुगल शैली की लघु चित्रकला	10
2	इकाई–2 दक्कन शैली और पहाड़ी शैली की चित्रकला 1 दक्कन शैली की चित्रकला 2 पहाड़ी शैली की चित्रकला	10
3	इकाई–3 बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, आधुनिक भारतीय कला, भारत की जीवंत कला परंपराएं 1. बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद 2. आधुनिक भारतीय कला 3. भारत की जीवंत कला परंपराएं	10
कुल योग		30
प्रायोगिक परीक्षा (आन्तरिक)		50
आन्तरिक मूल्यांकन		20
कुल योग		100

विषय सूची

पांडुलिपि चित्रकला परंपरा

इकाई–1

राजस्थानी चित्रकला शैली और मुगलकालीन लघु चित्रकला
(16 वीं शताब्दी ई0 से 19वीं शताब्दी ई0)

1. राजस्थानी शैली चित्रकला
2. मुगलकालीन लघु चित्रकला

इकाई–2

दक्कनी चित्रकला शैली और पहाड़ी चित्रकला शैली

1. दक्कनी चित्रकला शैली
2. पहाड़ी चित्रकला शैली

इकाई–3

बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, आधुनिक भारतीय कला, भारत की जीवंत कला परंपराएं

1 बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद
2 आधुनिक भारतीय कला
3 भारत की जीवंत कला परंपराएं

नोट– पांडुलिपि चित्रकला परम्परा अध्याय से वार्षिक परीक्षा व अन्य परीक्षाओं में प्रश्न नहीं पूछे जाऐंगे।

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2025-26)

कक्षा- 12वीं **विषय:** ललित कला **कोड:** 770

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	1 (क) पांडुलिपि चित्रकला की परंपरा 1. पश्चिम भारतीय चित्रकला शैली क) महावीर का जन्म कल्प सूत्र 15वीं शताब्दी जैन भण्डार राजस्थान। ख) त्रिशला के चौदह स्वपन कल्प सूत्र पश्चिमी भारत ग) कलाकाचार्यकथा 1497 अहमदाबाद घ) इन्द्र द्वारा देव सानो पाड़ो की स्तुति कल्प सूत्र गुजरात लगभग 1475 ड) चौरपंचाशिका गुजरात 15वीं शताब्दी 2. पाल चित्रकला शैली क) लोकेश्वर अष्टसहशस्त्रिका प्रज्ञापारामिता पाल 1050 राष्ट्रीय संग्रहालय, नई दिल्ली 1. प्रयोगात्मक कार्य :– कक्षा 11वी में किए गए अभ्यास के आधार पर दो और तीन वस्तुओं की पृष्ठ भूमि व अग्र भूमि में दो ड्रापरियों का एक निश्चित दृष्टिकोण से पैन्सिल व रंगों में प्रकाश और छाया के साथ अध्ययन नोट– पांडुलिपि चित्रकला परम्परा अध्याय से वार्षिक परीक्षा व अन्य परीक्षाओं में प्रश्न नहीं पूछे जाऐंगे।	10	2	10

<table>
<tr>
<td>मई</td>
<td>1 (ख) राजस्थानी चित्रकला शैलीः–
1. राजस्थानी उपशैली
मालवा, मेवाड़, बुंदी, कोटा, बिकानेर, किशनगढ, जोधपुर, जयपुर, शैली की चित्रकला।
2. राजस्थानी शैली की मुख्य विशेषताएं
3. निम्नलिखित राजस्थानों चित्रों की प्रशंसाः–
<table>
<tr><th>शीर्षक</th><th>चित्रकार</th><th>उपशैली</th></tr>
<tr><td>मारू रागिनी</td><td>शाहिबदीन</td><td>मेवाड़</td></tr>
<tr><td>राजा अनिरूद्व सिंह हाडा</td><td>तुलची राम</td><td>बून्दी</td></tr>
<tr><td>चोगान खेलती राजकुमारियां</td><td>दाना</td><td>जोधपुर</td></tr>
<tr><td>झूले पर कृष्ण एवं उदास राधा</td><td>नुरूदीन</td><td>बिकानेर</td></tr>
<tr><td>चित्रकूट में राम और उनके परिवार का मिलन</td><td>गुमन</td><td>जयपुर</td></tr>
<tr><td>बनी ठनी</td><td>निहालचंद</td><td>किशनगढ़</td></tr>
</table>
प्रयोगात्मक कार्य :–
पेटिंग रचना जीवन और प्राकृतिक विषयों पर आधारित पोस्टर रंगों व जल रंगों से</td>
<td>7</td>
<td>2</td>
<td>20</td>
</tr>
<tr>
<td>जून</td>
<td>ग्रीष्मकालीन अवकाश (उपरोक्त अध्यायों से संबंधित कोई परियोजना कार्य दिया जाए)</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>जुलाई</td>
<td>1 ग) मुगल कालीन लघु चित्रकला
1. उद्गम एवं विकास
2. मुगल शैली की मुख्य विशेषताए
3. निम्नलिखित मुगल चित्रों का अध्ययन
<table>
<tr><th>शीर्षक</th><th>चित्रकार</th><th>काल</th></tr>
<tr><td>गोवर्धन पर्वत को उठाते हुए कृष्ण</td><td>मिसकीन</td><td>अकबर</td></tr>
<tr><td>पक्षी विश्राम पर बांज</td><td>उस्ताद मंसूर</td><td>जहांगीर</td></tr>
</table></td>
<td>14</td>
<td>4</td>
<td>14</td>
</tr>
</table>

<table>
<tr><td></td><td>
<table>
<tr><td>दारा शिकोह की बारात</td><td>हाजी मादनी</td><td>शाहजहॉ</td></tr>
</table>
3. प्रयोगात्मक कार्य
दिये हुए विषय व अपने जीवन और परिवेश में साधारण स्थितियों पर विभिन्न माध्यमों में स्केचिंग किए हुए चित्रों की तकनीक का अध्ययन
</td><td></td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>अगस्त</td><td>
2 ख.
1. दक्कनी चित्रकला शैली (उद्गम एवं विकास)
2. दक्कनी शैली की मुख्य विषेशताएं
3. निम्नलिखित दक्कनी शैली के चित्रों की प्रशंसा :–
<table>
<tr><td>शीर्षक</td><td>चित्रकार</td><td>उपशैली</td></tr>
<tr><td>राग हिंडोल की रागिनी पथमासिका</td><td>अज्ञात</td><td>बिजापुर</td></tr>
<tr><td>पोलो खेलते हुए चांद बीबी</td><td>अज्ञात</td><td>बिजापुर</td></tr>
</table>
4– प्रयोगात्मक कार्य
ग्राफिक्स के लिए पेपर व कार्ड बॉर्ड से स्टेनसील तैयार करना।
</td><td>16</td><td>4</td><td>12</td></tr>
<tr><td>सितंबर</td><td>
1. ख) पहाड़ी चित्रकला शैली
1. उद्गम एवं विकास
2. उपशैली :–बसोहली, गुलेर, कांगडा
3. पहाडी चित्रकला की मुख्य विषेशताएँ
निम्नलिखित पहाडी चित्रों की प्रशंसा :–
<table>
<tr><td>शीर्षक</td><td>चित्रकार</td><td>उपशैली</td></tr>
<tr><td>प्रतीक्षारत कृष्ण संशयशील राधा</td><td>मनकू</td><td>गुलेर</td></tr>
<tr><td>नन्द, यशोदा और कृष्ण</td><td>नैनसुख</td><td>कांगडा</td></tr>
</table>
</td><td>8</td><td>2</td><td>8</td></tr>
<tr><td>अक्तूबर</td><td>
3. क बंगाल स्कूल और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद
1. कम्पनी चिकला
2. राजा रवि वर्मा
3. बंगाल स्कूल
4. बंगाल स्कूल के निम्नलिखित चित्रों का अध्ययन
</td><td>14</td><td>4</td><td>14</td></tr>
</table>

<table>
<tr>
<td></td>
<td>
<table>
<tr><td>शीर्षक</td><td>चित्रकार</td><td>स्कूल</td></tr>
<tr><td>रास लीला</td><td>क्षितिंद्रनाथ मजूमदार</td><td>बंगाल स्कूल</td></tr>
<tr><td>राधिका</td><td>अब्दुल रहमान चुगताई</td><td>बंगाल स्कूल</td></tr>
<tr><td>जर्नीस एण्ड</td><td>अवनिन्दर नाथ टैगोर</td><td>बंगाल स्कूल</td></tr>
<tr><td>राम वैक्विशिंग द प्राइड ऑफ द ओशन</td><td>राजा रवि वर्मा</td><td>राजा रवि वर्मा</td></tr>
<tr><td>वुमन विद चाइल्ड</td><td>जामिनी रॉय</td><td>बंगाल स्कूल</td></tr>
</table>
5–प्रयोगात्मक कार्य
दो और तीन रंगों में उपयुक्त आधार सामग्री व नारे के साथ दिये गये विषय पर पोस्टर निर्माण करना।
</td>
<td></td>
<td></td>
<td></td>
</tr>
<tr>
<td>नवंबर</td>
<td>
3– ख आधुनिक भारतीय कला
1. आधुनिक भारतीय चित्रकला
निम्नलिखित चित्रों की प्रशंसाः–
<table>
<tr><td>शीर्षक</td><td>चित्रकार</td><td>समय</td></tr>
<tr><td>मदर टेरेसा</td><td>एम.एफ. हुसैन</td><td>आधुनिक भारतीय कला</td></tr>
<tr><td>हल्दी ग्राइंडर</td><td>अमृता शेरगिल</td><td>आधुनिक भारतीय कला</td></tr>
<tr><td>चिल्ड्रन</td><td>सोमनाथ होर</td><td>आधुनिक भारतीय कला</td></tr>
<tr><td>देवी</td><td>ज्योति भट्ट</td><td>आधुनिक भारतीय कला</td></tr>
<tr><td>ऑफ वाल्स</td><td>अनुपम सूद</td><td>आधुनिक भारतीय कला</td></tr>
<tr><td>रूरल साउथ इण्डियन मैन वुमन</td><td>लक्ष्मा गोड</td><td>आधुनिक भारतीय कला</td></tr>
<tr><td></td><td>मूर्तिकला</td><td></td></tr>
<tr><td>शीर्षक</td><td>मूर्तिकार</td><td>समय</td></tr>
</table>
</td>
<td>16</td>
<td>4</td>
<td>10</td>
</tr>
</table>

	ट्राइम्फ ऑफ लेबर	देवी प्रसाद राय चौधरी	आधुनिक भारत कला		
	सन्थाल फैमिलि	राम किंकर बैज	आधुनिक भारत कला		
	क्राइज अनहर्ड	अमरनाथ सहगल	आधुनिक भारत कला		
	गणेश	पी.वी. जानकीराम	आधुनिक भारत कला		
	6– प्रयोगात्मक कार्य राऊंड/रिलिफ में मॉडलिंग (क्ले और प्लास्टर ऑफ पेरिस)				
दिसंबर	2. ग भारत की जीवंत कला परंपराए परंपरागत कला की विशेषताएं और प्रशंसा 1. गोंड चित्रकला 2. पिठोर चित्रकला 3. पट चित्रकला 4. राजस्थान की फड़ लोकला 5. डोंकरा कास्टिंग 6. मृण्मूर्ति 7–प्रयोगात्मक कार्य प्राकृतिक दृश्य, परिदृश्य चित्रण, एकरेलिक पोस्टर, जलरंग व किसी माध्यम में व स्केचिंग का अभ्यास करे।		16	4	10
जनवरी	दोहराई 8– प्रयोगात्मक कार्य स्केचिंग का अभ्यास		8	2	08
फ़रवरी	दोहराई 9– प्रयोगात्मक कार्य आवश्यकता अनुसार अभ्यास		..	..	..
मार्च	वार्षिक परीक्षा		..	..	..

प्रश्न पत्र प्रारूप (2025-26)

कक्षा- 10+2 **विषय: ललित कला**

कोड:770 **समय: 02:30 घन्टे**

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	1	08	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न 02 रिक्त स्थान 02 एक शब्दीय प्रश्न 02 अभिकथन तर्क सहित	08
अति लघुत्तरात्मक प्रश्न	2	04	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	08
लघुत्तरात्मक प्रश्न	3	03	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	09
निबंधात्मक प्रश्न	5	01	प्रत्येक प्रश्न में आंतरिक विकल्प दिया जाएगा	05
कुल		16		30

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2025-26)

Class-10+2 Subject:-Fine Arts Code:770

General Instructions:

1. There will be an Annual Examination based on the entire syllabus.
2. The Annual Examination will be of 30 marks, Practical Examination will be of 50 marks and 20 marks weightage shall be for Internal Assessment.
3. For Practical Examination:
   I. Portfolio – 20 Marks
   II. Composition / Painting/Still life – 30 Marks
4. **For Internal Assessment:**

There will be Periodic Assessment that would include:

i) For 4 marks- Two SAT exams will be conducted and will have a weightage of 06 marks towards the final Internal Assessment.

ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.

iii) For 2 marks- One pre-board exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.

iii) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).

iv) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.

v) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

75% to 80% - 01 marks

Above 80% to 85% - 02 marks

Above 85% to 90% - 03 marks

Above 90% to 95% - 04 marks

Above 95% to 100% - 05 marks

Course Structure (2025-26)

Class- 10+2 Subject:-Fine Arts Code: 770

Unit No.	Topic/Unit THE MANUSCRIPT PAINTING TRADITION	Marks
1	(I) THE RAJASTHANI SCHOOLS OF PAINTING (II) THE MUGHAL SCHOOL OF MINIATURE PAINTING	10
2	(I) THE DECCANI SCHOOLS OF PAINTING (II) THE PAHARI SCHOOLS OF PAINTING	10
3	(I) THE BENGAL SCHOOL AND CULTURAL NATIONALISM (II) THE MODERN INDIAN ART (III) THE LIVING ART TRADITIONS OF INDIA	10
Total		**30**
Practical Examination (Internal)		50
Internal Assessment		20
Grand Total		**100**

Content

The Manuscript Painting Tradition

UNIT-I

Rajasthani and Mughal School Paintings
(16th Century A.D to 19th Century)

1. The Rajasthani Schools of Painting
2. The Mughal School of Miniature Painting.

UNIT-II

The Deccan School and Pahari School Paintings

1. The Deccani Schools of Painting
2. The Pahari Schols of Painting

UNIT-III

The Bengal School and Cultural Nationalism, The Modern Indian Art, The Living Art Traditions of India.
(About the beginning to Mid of the 20th Century)

1. The Bengal School and Cultural Nationalism.
2. The Modern Indian Art
3. The Living Art Traditions of India.

Monthwise Syllabus Teaching Plan (2025-26)

Class- 10+2 Subject:-Fine Arts Code: 770

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	1 (a) The Manuscript Painting Tradition. i) Western Indian School of Painting. a) Birth of Mahavir, |Kalpasutras fifteenth century jain Bhandar, Rajasthan b) Trishla's fourteen dreams Kalpasutra Westem India. c) Kalakacharyakatha 1497, Ahmedabad d) Indra praising Devasano Pado Kalpasutra Gujrat about 1475 e) Chaurpatichasika Gujrat fifteenth century Gujrat ii) Pala School of Painting. a) Lokeshvar Astasahasrika Prajnaparamita Pala 1050 National Museum New Delhi 1. Practical work 3.Studies on the basis of exercise done in class XI with two or three objects and two draperies for background and foreground exercises in pencil with light and shade and in full colour from a fixed point of view.	10	02	10
May	1 (b) The Rajasthani Schools of Painting. i) Rajasthani Sub School Malwa , Mewar, Bundi, Kota, Bikaner, Kishangarh, Jodhpur, Jaipur, Sub School Paintings	18	2	12

<table>
<tr>
<td></td>
<td>ii) Main features of Rajasthani School
iii) Appriciation of following Rajasthani Painting-

<table>
<tr><th>Title</th><th>Painter</th><th>Sub School</th></tr>
<tr><td>Maru Ragini</td><td>Sahibdin</td><td>Mewar</td></tr>
<tr><td>Raja Aniruddha Singh Hara</td><td>Tulchi Ram</td><td>Bundi</td></tr>
<tr><td>Chaugan Players</td><td>Dana</td><td>Jodhpur</td></tr>
<tr><td>Krishna Swinging and Radha in Sad Mood</td><td>Nuruddin</td><td>Bikaner</td></tr>
<tr><td>Rama Meets members of his family at Chitrakut</td><td>Guman</td><td>Jaipur</td></tr>
<tr><td>Bani Thani</td><td>Nihal Chand</td><td>Kishangarh</td></tr>
</table>

2. Practical Work :
2 .Painting composition. Imaginative paintings based on subjects from life and nature with water and poster colours with colour values.</td>
<td></td><td></td><td></td>
</tr>
<tr>
<td>June</td>
<td colspan="4">Summer Vacation (Any project work should be given related to above chapters)</td>
</tr>
<tr>
<td>July</td>
<td>1(c) The Mughal School of Miniature Painting
i). Origin and Development.
ii).Main features of Mughal School.
iii).study of the following Mughal paintings-

<table>
<tr><th>Title</th><th>Painter</th><th>Time Period</th></tr>
<tr><td>Krishna Lifts Mount</td><td>Miskin</td><td>Akbar</td></tr>
</table>
</td>
<td>14</td><td>4</td><td>14</td>
</tr>
</table>

<table>
<tr>
<td></td>
<td>
<table>
<tr><td>Govardhan</td><td></td><td></td></tr>
<tr><td>Falcon or a Bird Rest</td><td>Ustad Mansur</td><td>Jahangir</td></tr>
<tr><td>The Marriage Procession of Dara Shikoh</td><td>Haji Madni</td><td>Shahjahan</td></tr>
</table>
Practical Work
3.Study of techniques of illustration on a given subject and simple situations from life and outdoor sketching in different medium.
</td>
<td></td><td></td><td></td>
</tr>
<tr>
<td>August</td>
<td>2(a)
i) The Deccani School of Painting
ii) Origin and Development).
iii) Main features of Deccan School.
iv) Appriciation of following Deccan Paintings-
<table>
<tr><th>Title</th><th>Painter</th><th>Time Period</th></tr>
<tr><td>Raginio Pathamsika of Raga Hindola</td><td>Unknown</td><td>Bijapur School of Painting</td></tr>
<tr><td>Chand Bibi Playing Polo</td><td>Unknown</td><td>Bijapur School of Painting</td></tr>
</table>
Practical Work :-

4.Stencils making with the paper and cardboard for graphics.
</td>
<td>16</td><td>4</td><td>12</td>
</tr>
<tr>
<td>September</td>
<td>2 (b). The Pahari Schools of Painting
i) Origin and Developement
ii) Sub School
Basohli, Guler, Kangra,</td>
<td>8</td><td>2</td><td>8</td>
</tr>
</table>

<table>
<tr>
<td></td>
<td>iii) Main Future of the Pahari School
iv) Appreciation of the following Pahari Painting.
<table>
<tr><th>Title</th><th>Painter</th><th>Sub School</th></tr>
<tr><td>Awating Krishna and the Hesitant Radha</td><td>Manaku</td><td>Guler</td></tr>
<tr><td>Nanda |Yashoda and Krishna</td><td>Unknown</td><td>Kangra</td></tr>
</table>
Half – Yearly Exam</td>
<td></td><td></td><td></td>
</tr>
<tr>
<td>October</td>
<td>3. (a) The Bangal School and Cultural Nationalism
i) Company Painting
ii) Raja Ravi Verma
iv) The Bangal school
v) Study the following paintings of Bengal School-
<table>
<tr><th>Title</th><th>Painting</th><th>School</th></tr>
<tr><td>Rasa Lila</td><td>Kshitindranath Majumdar</td><td>Bengal school of Painting</td></tr>
<tr><td>Radhika</td><td>Abdul Rehman Chughtai</td><td>Bengal School of Painting</td></tr>
<tr><td>Journey’s End</td><td>Abanindranath Tagore</td><td>Bengal School Painting</td></tr>
<tr><td>Rama Vanquishing the Pride of the</td><td>Raja Ravi Verma</td><td>Raja Ravi Verma</td></tr>
</table></td>
<td>14</td><td>4</td><td>14</td>
</tr>
</table>

	Ocean				
	Woman with child	Jamini Roy	Bengal school of Painting		

Practical Work
Making Posters with specified data and slogan on a given subject in two or three colours

November	3 (b) The Modern Indian Art i) Appriciation the following paintings of Contemporary (Modern)Indian Art-			16	4	10

Title	Painter	Time
Mother Teresa	M.F. Husain	Modern Indian Art
Haldi Grinder	Amrita Sher Gil	Modern Indian Art
Children	Somnath Hore	Modern Indian Art
Devi	Jyoti Bhatt	Modern Indian Art
Of walls	Anupam Sud	Modern Indian Art
Rural South Indian Man-Woman	Laxma Goud	Modern Indian Art
	Sculpture	
Triumph of Labour	Debi Prasad Roy Chowdhury	Modern Indian Art
Santhal Family	Ram Kinker Baij	Modern Indian Art
Cries Unheard	Amarnath Sehgal	Modern Indian Art
Ganesha	P.V. Janaki	Modern

	Ram Indian Art **6- Practical Work** Modelling in round/relief (Clay or Plaster of Paris)			
December	3 (c).The Living Art Traditions of India. The Main Features and Appriciation of following Traditions Art - i) Gond Painting ii) Pithoro Painting iii) Pata Painting iv) Phads of Rajasthan Painting v) Dhokra Casting vi) Terracotta **7- Practical Work** Natural scene, Landscape with Acrylic,poster,water any medium and practice of sketching.	16	4	10
January	Revision 8- Pratical Work :- Pratice of Sketching	8	02	08
February	Revision 8-Partical Work :- Practice as per Requirement	-	-	-
March	Annual Examination .	-	-	-

Question Paper Design (2025-26)

Class- 10+2 **Subject:-Fine Arts**

Code: 770 **Time: 02:30 hrs**

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Multiple Choice Question (MCQ)	1	8	02 Multiple Choice Questions 02 Fill in Blanks 02 One Word Questions 02 Assertion-Reason Based Questions	08
Very Short Answer Type Question(SA)	2	4	Internal choice will be given in every question	08
Short Answer Type Question(SA)	3	3	Internal choice will be given in every question	09
Essay type Question	5	1	Internal choice will be given in every question	05
Total Question	**-**	**16**	**Total Marks**	**30**